

পাট ও সমবর্গীয় তন্তু চাষীদের জন্য কৃষি পরামর্শ

প্রকাশনা

ভা.কৃ.অনু.প- ক্রিজাফ, ব্যারাকপুর

২৯ এপ্রিল-৫ মে, ২০২০ (সংস্করণ সংখ্যাঃ ০৫/২০২০)



ভা.কৃ.অ.প. -কেন্দ্রীয় পটসন এবং সমবর্গীয় রেশা অনুসন্ধান সংস্থান
ICAR-Central Research Institute for Jute and Allied Fibers

An ISO 9001: 2015 Certified Institute

Barrackpore, Kolkata-700120, West Bengal

www.crijaf.org.in



पाट ओ सहयोगी फसल उतुपादनकारी चाषिदेर जन्य कृषि-परामर्श
२९ एप्रिल - ५ मे, २०२०

(I) पाट उतुपादनकारी राज्यांशुलर एह सप्ताहेर सञ्जाव्य आवहाओयार परिस्थिति

राज्या/ कृषि-जलवायु अंशुल/ जेला	आवहाओयार पूर्वाभास
गाङ्गेय पश्चिमवङ्ग मुर्शिदाबाद, नदिया, हुगली, हाओडा, उतुतर २४ परगना, पूर्व बर्धमान, पश्चिम बर्धमान, दक्षिण २४ परगना, बाँकुडा, बीरभूम	आगामी चार दिन माव्वारि थेके बेश भारी वृष्टि (११८ मिलिमिटांर पर्यन्त) सञ्जावना। सर्वोच्च तापमात्रा ३१-३२ डिग्रि एवंग सर्वनिम्न तापमात्रा २०-२३ डिग्रि सेन्टिग्रेडेर मतुओ थाकवे।
हिमालय सन्निहित पश्चिमवङ्ग दार्जिलिग, कोचबिहार, आलिपुरदुयार, जलपाइणुडि, उतुतर दिनाजपुर, दक्षिण दिनाजपुर, मालदा	आगामी चार दिन हालका थेके माव्वारि (४७ मिलिमिटांर पर्यन्त) वृष्टि सञ्जावना। एह अंशुले सर्वोच्च तापमात्रा २५-२८ डिग्रि एवंग सर्वनिम्न तापमात्रा १७-२१ डिग्रि सेन्टिग्रेडेर मतुओ थाकवे। आर मालदा ओ दक्षिण दिनाजपुर जेलांर सर्वोच्च तापमात्रा २९-३० डिग्रि एवंग सर्वनिम्न तापमात्रा २१-२३ डिग्रि सेन्टिग्रेडेर मतुओ थाकवे। हालका थेके माव्वारि वृष्टि (३३ मिलिमिटांर पर्यन्त) सञ्जावना।
आसामः मध्य ब्रह्मपुत्र उतुपत्यका श्फेत्र मरिगाँओ, नओगाँओ	आगामी चार दिन हालका (८ मिलिमिटांर मतुओ) वृष्टि सञ्जावना। सर्वोच्च तापमात्रा २९-२९ डिग्रि एवंग सर्वनिम्न तापमात्रा १९-२० डिग्रि सेन्टिग्रेडेर मतुओ थाकवे।
आसामः निम्न ब्रह्मपुत्र उतुपत्यका श्फेत्र गुवालपाडा, धुबडि, कोकडावाड, बङ्गाइगाँओ, बरपेटा, नलवाडि, कामरुप, बाङ्गा, चिराङ्ग	आगामी चार दिन हालका थेके माव्वारि (३४ मिलिमिटांर पर्यन्त) वृष्टि सञ्जावना। सर्वोच्च तापमात्रा २५-२८ डिग्रि एवंग सर्वनिम्न तापमात्रा १९-२१ डिग्रि सेन्टिग्रेडेर मतुओ थाकवे।
बिहारः कृषि-जलवायु अंशुल २ (उतुतर-पूर्व अंशुल) पूणिगा, काटिहार, सहर्ष, सुपुल, माथेपुरा, खागारिया, आरारिया, किषाणगञ्ज	आगामी चार दिन हालका थेके माव्वारि (४० मिलिमिटांर पर्यन्त) वृष्टि सञ्जावना। सर्वोच्च तापमात्रा २७-२९ डिग्रि एवंग सर्वनिम्न तापमात्रा १९-२३ डिग्रि सेन्टिग्रेडेर मतुओ थाकवे।
उडिष्याः उतुतर-पूर्व तटीय समभूमि बालेश्वर, भदक, जाजपुर	आगामी चार दिन हालका थेके माव्वारि (५०-८० मिलिमिटांर पर्यन्त) वृष्टि सञ्जावना। सर्वोच्च तापमात्रा ३०-३५ डिग्रि एवंग सर्वनिम्न तापमात्रा १९-२४ डिग्रि सेन्टिग्रेडेर मतुओ थाकवे।
उडिष्याः उतुतर-पूर्व ओ दक्षिण-पूर्व समतल अंशुल केन्द्रपाडा, खुर्दा, जगत्सिंहपुर, पुरी, नयागड, कटक (आंशुकि) एवंग गङ्गाम (आंशुकि)	आगामी चार दिन हालका थेके माव्वारि (२५ मिलिमिटांर पर्यन्त) वृष्टि सञ्जावना। सर्वोच्च तापमात्रा ३३-३४ डिग्रि एवंग सर्वनिम्न तापमात्रा २२-२४ डिग्रि सेन्टिग्रेडेर मतुओ थाकवे।

तथ्य सृत्रः भारतीय आवहाओया विभाग (<http://mausam.imd.gov.in>) एवंग www.weather.com

(II) पाट चाषिदेर जन्य कृषि परामर्श

१। देरीते लागानो पाटः ये सब चाषिदेर एखनो पाट लागानो हयनि तादेर जन्य

- तादेर एखनि जमि प्रसुत्तेर परामर्श देओया हच्चे, एवं प्रथम वृष्टिर् जल पेलेई अबिलस्ये पाट लागान। भालो फलन ओ गुनमानेर पाटेर आँश पावार जन्य, जे.आर.ओ-२०४ (सुरेन) जातेर पाट लागाने सुपारिश करा हच्चे। पाट बीज लागानेर कमपक्के ४ (चार) घन्टा आगे व्याभिस्टिन (५० शतांश) वा कार्बेन्डाजिम २ ग्राम प्रति किलोग्राम पाट बीजे भालोभावे मिशिये बीज शोधन करते हवे। यदि जे.आर.ओ-२०४ जातेर बीज ना पाओया याय, तबे इरा, तरुण, एन.जे-१०१० इत्यादि जातओ पाटेर तसुत्र जन्य लागाने पारन। एई जातगुलि अन्न किछुदिनेर जन्य लागिये, पाट शाक हिसाबेओ व्यवहार करा याय।
- पाट बीज क्रिज्जाफ बहस्यारि पाट बीज बपन यन्त्र दिये सारिते लागते हवे। एई भावे सारि करे लागाने प्रति बिधाय ३५०-४०० ग्राम (२.५-३.० किलो/हेक्टेरे) पाट बीज लागवे। सारि करे पाट बीज लागानेर समय मने राखते हवे - सारि थेके सारिर् दूरत हवे २०-२५ सेन्टिमिटर एवं पाट बीज माटिर् निचे ३ सेन्टिमिटर गडीरे यावे।
- यदि पाट बीज बपन यन्त्र एकासुतई ना पाओया याय, एरकम जरूरी अबसुत्तय छिटिये पाट वुनते पारन। सेक्केरे बिधा प्रति ८०० ग्राम (प्रति हेक्टेरे ६ किलोग्राम) पाट बीज लागवे। माटिते जो थाका अबसुत्तय (पलिमाटि अषुगले पाट लागानेर ४-५ दिन पर, आर अँटेल माटि अषुगले पाट लागानेर १-८ दिन पर) क्रिज्जाफ नेल उईडार सुपारिश मतेओ व्यवहार करते हवे, फले पाटेर सारि वा लाइन हये यावे। पाट बीज बोनार ५-८ दिन पर, सेच सेवित आर वृष्टि निर्भर उभय सेक्केरेई, क्रिज्जाफ नेल उईडार व्यवहारेर फले माटिर् निचे (०-१५ सेन्टिमिटर) अबधि शतकरा ५-६ भाग जल बेशि संरक्षुण हय, माटि (०-१० सेन्टिमिटर) १-३ डिग्रि बेशि ठांडा थाके फले पाटेर चारा ३० दिन पर्यंत वृष्टि ना हलेओ प्राथमिक खरार अबसुत्ता सह करते पारे।
- पाट बीज लागानेर पर जमिर् उपर हालका करे मई दिते हवे, एते जमिर् उपरे धुलोर् आसुत्रण (मालच) हवे, यार फले माटिर् रस/ जल संरक्षुण हवे एवं पाट बीजेर अक्कुरोपाम सहज हवे।
- मावारि उर्वर ओ यथेष्ट उर्वर जमिर् जन्य सारेर सुपारिश मात्रा हलो - हेक्टेर प्रति ६० किलो नाईट्रोजेन, ३० किलो फसफेट ओ ३० किलो पटाश। आर कम उर्वर जमिर् जन्य एई सुपारिशकृत सारेर मात्रा हवे ८० किलो नाईट्रोजेन, ४० किलो फसफेट ओ ४० किलो पटाश। नाईट्रोजेन घटित मोट परिमान सार, २-३ वार समान भावे भाग करे माटिते चापान हिसाबे प्रयोग करते हवे। तबे फसफेट ओ पटाश सारेर पुरोटाई जमि शेष चाषेर समयेई मुल सार हिसाबे दिये दिते हवे। ये सब चाषिदेर माटिर् स्यासुत कार्ड आछे - तारा सेई कार्डे देओया हिसाब अनुसारे सार प्रयोग करते पारन। चाषिदेर आरो परामर्श देओया हच्चे ये, चेष्टा करते हवे पाट फसलेर जन्य निर्धारित मोट खादोपादानेर २०-२५ शतांश याते खामार सार वा ओ धरनेर प्राकृतिक सारेर माध्यमे प्रयोग करा याय।
- सेच सेवित चाषेर सेक्केरे, पाटेर जमिर् आगाछा नियन्त्रणेर जन्य, पाट बीज लागानेर ४८ घन्टा परे, जलसेच दिये, प्रेटिलेक्कोर (५० इंसि) ओ मिलिलिटर प्रति लिटर जले मिशिये माटिते प्रयोग करबेन। वृष्टि निर्भर चाषेर सेक्केरे, वुटाक्कोर (५० इंसि) ४ मिलिलिटर प्रति लिटर जले मिशिये, पाट बीज बोनार ४८ घन्टा परे प्रयोग करते हवे। मने राखते हवे, सहजलभा ओ प्रचलित मेशिन दिये आगाछानाशक प्रयोग करार जन्य एक बिधा (२० काठार) जमिर् जन्य ८० लिटर जल दरकार हवे।
- यदि पाट लागानेर पर ५-६ दिन खरार मतेओ परिस्थिति देखा याय, तबे ए जमिर् जल छेटीनो पद्धतिते हालका सेच (वारि सेच) देओया येते पारे। ये सब अषुगले मावारि वा बेशि वृष्टिपातेर पूर्वाभास देओया हयेछे, सेखाने पाटेर जमिर् जलसेच देवार जन्य अपेक्षा करुन।

२। समय मतेओ (२५ मार्च- १० अप्रिल) लागानो पाटेर जन्य (फसलेर बयस ३५-४० दिन)

- यदि तिन सपुह बयसेर पाटेर जमिर् आगाछा नियन्त्रण ओ चारा पातला करार काज ना करा हये थाके, ताहले एकवार हालका सेच दिये क्रिज्जाफ नेल उईडार टाँछनि (सुक्कापार) सहयोगे व्यवहार करुन वा क्रिज्जाफ एक चाका निडानि यन्त्र व्यवहार करते पारन। ए अबसुत्तय चारा पातला करे प्रति वर्ग मिटारे ५०-५५ टि पाटेर चारा राखते हवे।
- प्राक-बर्षार मरशुमे हठाँ बेशि वृष्टि हये पाटेर जमि जलमग्न हये येते पारे, ताते पाटेर वृद्धिते बिरुप प्रभाव पड़े। तई एई समय, पाटेर जमिर् जल निकाशि नाला बानाते हवे, याते बेशि वृष्टिर् अतिरिक्त जल जमि थेके बेरिये येते पारे।
- पाटेर बयस यखन ३०-३५ दिन, तखन जमिर् मकड़ेर उपद्रव हते पारे। मकड़ेर आक्रमणेर प्रधान लक्षण हलो- पाता पुरो वा मोटा हये यावे, पातार शिरार मावेर अंश कुँचके यावे, आर डगार कचि पाता क्रमे तामाटे-वादामी रंगेर हये यावे। चेष्टा करते हवे याते जमिर् जलेर (रसेर) अभाव ना हय, सबसमय जो अबसुत्ता राखते पारले मकड़ थेके क्षति कम हय। यदि १० दिनेर बेशि समय धरे मकड़ेर आक्रमण चलते थाके, तबे मकड़नाशक - येमन फेनपाइरिक्लिमेट (५ इंसि) १.५ मिलिलिटर/ प्रति लिटर जले वा स्पाइरोमेसिफेन (२४० एस.सि) ०.१ मिलिलिटर/ प्रति लिटर जले वा प्रोपारगाईट (५९ इंसि) २.५ मिलिलिटर/ प्रतिलिटर जले, १० दिन परे परे, पर्यायक्रमे व्यवहार करते हवे। यदि वृष्टि हये याय, ताहले कमपक्के ५-६ दिन अपेक्षा करुन, तार परेओ यदि मकड़ेर लक्षण थाके तबे मकड़नाशक दिते पारन।

(II) पाटेर जन्य कृषि-परामर्श

७. एप्रिलेर १५ तारिखेर पर पाट लागाले (पाटेर वयस १४-२० दिन)

- क्रिजाफ नेल उईडारेर पिछनेर दिके चाँहनि वा स्क्रापार लागिने वा पाटेर एक चाका निडानि यन्त्र, दुई सारि पाटेर मावाखान दिने चालाते हवे, एते मावेर सब आगाछा नियन्त्रण हवे। आर पाटेर सारि र भितर- पर पर पाटेर चारार मध्येकार आगाछा हात निडानि दिने तुले फेलते हवे।
- चारा पातला करार काज सेरे फेलुन याते प्रति वर्ग मिटार जमिने ५०-५५ टि पाट गाछ बजाय थाके।
- घास जातीय आगाछा दमनेर जन्य कुईजालोफप इथाइल (५ इ.सि) १.५ मिलिलिटार वा कुईजालोफप इथाइल (१० इ.सि) ०.९ मिलिलिटार प्रति लिटार जले मिशिये जमिने छिटिये दिते पारेन। धानुभिड नामक रासायनिक, आगाछानाशकेर सप्पे (१ मिलिलिटार प्रति लिटार जले) मिशिये दिने, आगाछानाशक भालोभावे काज करे। अन्य धरनेर आगाछा, या एई आगाछानाशके मरवे ना, ता हात निडानि दिने तुले फेलते हवे। एक बिघा जमिने आगाछानाशक छेटानोर जन्य ८० लिटार जल लागवे।
- वृष्टि निर्भर पाट चायेर न्केवे, यदि माटिने रसेर अभाव हय, ताहले जीवनादायी हालका सेच दिते हवे। पाट लागानोर २० दिन पर, हालका सेचेर सप्पे, नाईट्रोजेन सार २० किलो/ प्रति हेक्टेर जमिनेर जन्य चापान सार हिासे दिते हवे। सालफार वा गन्क ३० किलो/ प्रति हेक्टेर जमिनेर जन्य दिते पारले पाटेर जमिने खरार कुप्रभाव कम हवे।
- जमि बेशि शुक्नो अवस्थाय थाकले, राईजेक्टनिआ वा म्याक्रोफोमिना वा उभय धरनेर छत्राक मिले, गोड़ा-काञ्च संयोगस्थल पचा रोग देखा दिते पारे। यदि शतकरा ५ भागेर बेशि प्रकोप देखा यय, ताहले जमिने सेच दिन एवंग परे कपार अक्लिक्कोराइड (र्राइटक्ल ५० डब्लु.पि) ०.५ शतांश द्रवण प्रयोग करते हवे। एई छत्राकनाशक व्यवहारेर समय छिटानो मेशिनेर मुख-नल (नजेल) गाछेर गोड़ार दिके तक करे दिते हवे।
- इन्डिगो क्यारिपिलार पोकार आक्रमण बिषये चायिरा सतर्क थाकबेन। यदि आक्रमण चलते थाके, तवे क्लोरपाइरिफस (२० इ.सि) २ मिलिलिटार /प्रति लिटार जले मिशिये बिकालेर दिके प्रयोग करते हवे।
- चायि यदि पाटेर सप्पे अन्तर्वती फसल हिासे मुग चाय करे थाकेन, तवे मुगेर पाता हलुद हओया रोग (साहेव रोग) बहनकारी सादा माछि नियन्त्रणेर जन्य इमिडाक्लोरापिड ०.५ मिलिलिटार/ प्रति लिटार जले मिशिये छेटाते हवे।
- एई फसले, मुगेर छत्राक-घटित शुक्नो हओया रोग नियन्त्रण करार जन्य, कार्बन्डाजिम १२ शतांश ओ म्यानकोजेव ७३ शतांश (मेशानो पाओया यय) २ ग्राम/ प्रति लिटार जले मिशिये प्रयोग करते हवे।

४. एप्रिलेर २० तारिखेर परे पाट लागाले (पाटेर वयस १०-१२ दिन)

- पाट बोनार वा लागानोर १० दिन परे, घास जातीय आगाछा दमनेर जन्य कुईजालोफप इथाइल (५ इ.सि) १.५ मिलिलिटार एवंग धानुभिड १ मिलिलिटार प्रति लिटार जले मिशिये जमिने छिटिये प्रयोग करते पारेन। प्रति बिघा जमिनेर जन्य ८० लिटार जल लागवे। अन्य धरनेर आगाछ या एई आगाछानाशके मरवे ना, ता हात दिने वा निडानि दिने तुले फेलते हवे।
- यदि नेइल उईडार चालानो ना हये थाके, तवे माटिने रसेर अवस्था बुवे, लाइन करे लागानो एवंग छिटिये बोना पाटेर जमिने व्यवहार करते हवे, एते अक्कुरित हओया सब धरनेर आगाछा मारा पडवे, माटि अक्लिजेन पावे, माटि ठाञ्चा राखवे एवंग ५-६ शतांश बेशि जल संरक्षण हवे। एर फले कचि पाटेर चारा, प्राथमिक अवस्थार खरा सह्य करते पारवे।
- माटि शुक्नो हवार जन्य, राईजेक्टनिआ वा म्याक्रोफोमिना गोद्रेर छत्राक घटित गोड़ा पचा (काञ्च ओ माटि संयोग स्थल) देखा येते पारे। एरकम हले (शतकरा ५ भागेर बेशि), सेचेर व्यवस्था करुन, तारपर कपार अक्लिक्कोराइड (र्राइटक्ल ५० डब्लु.पि) शतकरा ०.५ भाग द्रवण प्रयोग करुन। एई छत्राकनाशक व्यवहारेर समय छिटानो मेशिनेर मुख-नल (नजेल) गाछेर गोड़ार दिके तक करे दिते हवे, याते गाछेर गोड़ार दिके बेशि ओयुध देओया यय।

(III) फसलें (पाटें) वृद्धि अवस्था ओ कृषि परामर्शें प्रयोग

१। देरीते लागानो पाट ये सब चाषिरी एखनो पाट लागते पारें नऱि



पदक्षेप-१: जमिरी प्रसुतऱि चाष एवंग पाटें जनी जमिते प्राथमिक मूल सार देओया

पदक्षेप-२: ब्याडिस्टिन ५० डब्लु.पि बा कार्बेडजिम २ ग्राम प्रति किलो बीजे मिशिे लागानो अन्तत ४ घन्टा आगे बीज शोधन



पदक्षेप-३ क :
क्रिजफ बहूसारि पाट बीज वपन यन्त्र दिे शोधित पाट बीज वपन/ लागानो।



पदक्षेप-३ ख : बीज वपन यन्त्र ना थकले, छिटिे शोधित पाट बीज वपन, आर ४-८ दिन पारे क्रिजफ नेल उइडार ब्यवहार करते हवे।



पदक्षेप-४: जलसेच दिे पाट बीज लागानो हले - लागानो ४८ घन्टा पारे, प्रेटीलाक्लोर (५० इसि) ३ मिलिलिटाेर प्रति लिटाेर जले मिशिे माटिे प्रयोग करबेन। वृष्टि निर्भर पाट चाषेर क्षेत््रे - बुटाक्लोर (५० इसि) ४ मिलिलिटाेर प्रति लिटाेर जले मिशिे, पाट बीज बोनार ४८ घन्टा पारे प्रयोग करते हवे। एक बिघा जमिरी जनी ८० लिटाेर जल लागवे।

२. समय मतो लागानो पाट, २५ मार्च-१० एप्रिल (फसलेर वयस ३०-८० दिन)



A

समय मतो लागानो
(३०-३५ दिन वयस)
क) छिटीये बोना,
ख) सारि करे लागानो



B



A



B

क) माकड़ आक्रांत - लागानोर ३०-३५ दिन पर
ख) जलेर अभाव एडान, माटिंते रस बजाय राखुन।
फेनपाइरिक्लिमेट (५ ईसि) १.५ मिलिलिटांर वा
स्पाइरोमेसिफेन (२८० एस.सि) ०.९
मिलिलिटांर वा प्रोपारगाइट (५९ ईसि) २.५
मिलिलिटांर/ प्रति लिटांर जले, १० दिन परे परे,
पर्यायक्रमे व्यवहार करते हवे।



जलमग्न हण्यार जन्य पाट
क्षतिग्रस्त। अतिरिक्त जल
निकाशि करे बेर करते
हवे।



एटा धूसर पोकार (ग्रे उइडिल) क्षतिर लक्षण।
चाबिरा बिकालेर दिके साइपारमेथ्रिन +
क्लोरपाइरिफस् (हामला) १ मिलिलिटांर/ प्रति
लिटांर जले मिशिंये अथवा क्लोरपाइरिफस् २
मिलिलिटांर/ प्रति लिटांर जले मिशिंये प्रयोग
करते पारें।



शिलारुस्तिर जन्य पाट
क्षतिग्रस्त। यदि ५०-६०
शतांशेर बेशि क्षति हय,
ताहले आबार बीज लागते
पारें। अन्यथाय, माध्यमिक
परिचर्यार माध्यमे जमिर
अवस्थार परिवर्तन करते
हवे।

३। १५ ई एप्रिलेर परे पाट लागानो (फसलेर वयसः १४-२० दिन)



पाट लागानोर २१ दिन पर
नेहिल उइडारेर सजे चांछनि
वा स्त्रापार लागिंये वा एक
चाका निडानि यन्त्र व्यवहार
करुन





शुकनो माटिअवस्थाय, छत्राक-घटित गोड़ा-कांड संयोजगस्थल पचा रोग। यदि रोग शतकरा ५ भागेर बेशि छड़िये पड़े, कपार अक्लिक्लोराइड ०.५ शतांशेअर द्रवण प्रयोग करण।



इंडिगो क्यारिपिलार (वा नील ल्यादापोका) नियन्त्रणेअर ज्ञान, १५ दिन बयसे, क्लोरपाइरिफस (२० इसि) २ मिलिलिटर /प्रति लिटर जले मिशिये बिकालेअर दिके प्रयोग करण। यदि समस्या थाके, तबे प्रयोजने ८-१० दिन पारे आर एक बार दिते पारेन।

४। २० एप्रिलेअर पारे लागानो पाट (फसलेअर बयसः १०-१५ दिन)



पाटेअर चारा बेरोनोअर ४-८ दिन पारे, माटिअर अवस्था बुके, सब धरनेअर आगाछा नियन्त्रणेअर ज्ञान नेल उइडार ब्यवहार करण। एते छेटानो जमिते पाटेअर सारि हबे आर जल संरक्षण हबे।

चारा वा आगाछा बेरिये यावार पार, आगाछा नियन्त्रणेअर ज्ञान कुइजालोफप इथाइल (५ इसि) ८-१० दिन पारे १ मिलिलिटर वा १५ दिन पारे १.५ मिलिलिटर प्रति लिटर जले मिशिये प्रयोग करते हबे।



माटिअर शुकनो अवस्थाय, छत्राक-घटित गोड़ा-कांड संयोजगस्थल पचा रोग यदि शतकरा ५ भागेर बेशि हय, तबे कपार अक्लिक्लोराइड ०.५ शतांशे द्रवण प्रयोग करते हबे।

यत ताड़ाताड़ि संभव, जमिअर माटिअर उपरेअर निकाशि नाला ब्यवहार करे जमिअर अतिरिक्त जल बेअर करे दिते हबे।



IV. अन्यान्य सहयोगी तन्त्र फसलेंर जन्य कृषि-परामर्श

क) सिसाल

- आर बेशि देरि ना करे, तिन बहर वा तार बेशि बयसेर आवादी सिसाल बागान थेके पाता केटे आँश छाड़ाते हवे, एते बेशि परिमाने तन्त्र पाওয়া यावे आर सिसाल गाछेर ऋति एड़ानो यावे।
- १०-१२ बहरेंर बयसेर सिसाल गाछ थेके बुलबिल (छोटो सिसाल चारा या सिसाल गाछेर फुलेंर दन्डे हय) संग्रह करा येते पारे। बुलबिलेंर गुनमान हिसाबे, एहि बुलबिल प्राथमिक नार्सारितेलागाते हवे।
- नार्सारि जमिटे, २५ कुइन्ट्याल/ प्रति हेक्टेरे खामार सार वा सिसाल कम्पोस्ट, तार सङ्गे ३०९१५९३० किलो/ प्रति हेक्टेरे नाइट्रोजेन, फस्फेट, पटाश दिते हवे। नार्सारि एक मिटार चण्डा टाना जमिटे, बुलबिल गुलि म्यानकोजेब (७४ शतांश) एवं मेटालाक्लि (८ शतांश) २.५ ग्राम प्रति लिटार जले मिशिये २० मिनिट धरे डिजिये, १०/१ सेन्टिमिटार दूरत्वे लागाते हवे।
- नार्सारि सठिक परिचर्या करते हवे आर प्रयोजने जीवनदायी सेच दिते हवे, याते बुलबिलगुलि सहजे वाड़ते पारे।
- सिसालेंर जमिटे दुई लाइनेंर माबे असुबती फसलेंर निड़ानि, आच्छादन (मालच) करा इत्यादिर्र व्यवस्था करते हवे, याते माटिटे जल संरक्षण हय ओ खरार मतो अवस्थाय प्रयोजने जीवनदायी सेचेर व्यवस्था करते हवे।



तिन बहरेंर बेशि
बयसेर सिसाल
गाछेर पाता काटा

सिसाल बुलबिल



सद्य संग्रह करा बुलबिल
प्राथमिक नार्सारिते
लागानो

प्राथमिक नार्सारिर्र
परिचर्या



गोखाद्योंर सङ्गे
असुबती चाय

असुबती फसल तोला
(शसा)



ख) रेमि



- यारा एथेनो रेमि लागान नि, तारा अबिलशे आर-१८११ (हाजरीका) जातेर राईजेम वा शिकड़-सह चारा लागान ।
- ८-९ सेन्टिमिटर गभीर करे नालि करे तार मध्ये ७०-९५ सेन्टिमिटर दूरे दूरे १०-१५ सेन्टिमिटर लम्बा रेमि राईजेम लागते हवे । एकई सारि मध्ये राईजेम थेके राईजेमेर दूरत्व हवे ३० सेन्टिमिटर ।
- यादेर मार्चेर प्रथम पक्षेर आगेई रेमि राईजेम लागानो हयेछे, तारा २०:१०:१० किलो नाइट्रोजेन, पटाश, फसफेट प्रति हेक्टेरे दिते पारेन ।
- सुसम सार प्रयोगेर माध्यमे, माटि र स्यास्थि भालो राखा ओ भालो फलन पेटे, रासायनिक सारेर सङ्गे खामार सार वा रेमि कम्पेसि्ट सुसंहत पद्धतिते व्यवहार करते पारेन ।
- रेमि लागानेर परे ओ प्रति वार रेमि र काटि करार परे कुईजालोफ इथाइल (५ ईसि) ८० ग्राम ए.आई प्रति हेक्टेरे प्रयोग करे घास जातीय आगाछा दमन करा याय ।
- पुरनो रेमि र जमि ते, सब गाछ समान भावे बेडे ओठार जन्य एई समये एक सङ्गे केटे दिते हवे (स्टेज ब्याक) ।
- आसामेर जन्य आवहाओरार पूर्वभास अनुसारे, माबारि थेके भारी वृष्टि र संभावना आछे । रेमि जल जमा एकदमई सह्य करते पारे ना । तई बेशि वर्षा आगेई जमि ते जल निकाशि नाला वाना ते हवे ।



भालोभावे चाष दिये प्रसुत जमि ते, नालि/परिखा पद्धति ते रेमि लागानो

लागानेर जन्य रेमि र गेड़ (राईजेम) तोला



एकई रकम कांड संख्या ओ समान वृद्धि र जन्य प्राक-खरिफ मरशुमे असमान कांड केटे फेला (स्टेज ब्याक)



ग) शनपाट (सानहेम्प)



१. ये सब चाषिदेर एखनो शनपाट लागानो हयनि

- उतुतर प्रदेशेर शनपाट लागानोर अषुगलेर आगामी सपुत्रेहरे सर्वोच्च तापमात्रा ३४-३९ डिग्रि एवंग सर्वनिम्न तापमात्रा २३-२६ डिग्रि सेन्टिग्रेडेडेर मतो थाकवे। सामान्य वृष्टिरे सञ्जावना।
- चाषिदेर जमि चाष दिये प्रसुत करे एवंग जल सेच दिये शनपाट लागानोर परामर्श देओया हचे।
- केवलमात्र उच्च फलनशील जातगुलि येमन - प्राक्कुर (एस.आर.जे-६१०), अक्कुर (एसडुआईएन ०३९), शैलेश (एस एच-४), स्वस्तिक (एसडुआईएन ०५३), एवंग के-१२ (ब्ल्याक) शंसित बीज लागते हवे।
- कार्बेन्डाजिम २ ग्राम प्रति किलो बीजे व्यवहार करे लागानोर आगे बीज शोधन करते हवे, एर फले बीज बाहित रोग थेके शनपाट बाँचानो यय।
- लाइन वा सारि करे बीज लगते हवे। सारि थेके सारिरे दूरद्व हवे २० सेन्टिमिटर, आर सारिरे मध्ये गाछ थेके गाछेरे दूरद्व हवे ५-९ सेन्टिमिटर। सारि करे लागले हेक्टेर प्रति २५ किलो आर छिटेये लागले ३५ किलो बीज लगवे।
- प्राथमिक मूल सार हिसावे प्रति हेक्टेरे २०:४०:४० किलो नाइट्रोजेन, फसफेट, पटाश (वा इडुरिया २० किलो, सुपार फसफेट ३१२ किलो, मिडुरियेट अफ पटाश ७९ किलो) माटिरे सप्पे ভালोभावे मिशिये जमिटे दिते हवे।
- यदि कोनो जमिटे प्रथमवारेर जन्य शनपाट चाष करा हय, तवे बीज निर्दिष्ट राइजोबियम दिये छायय आष घन्टा आगे मिशिये शोधन करे निते हवे।


२। से सब चाषिरा एप्रिलेर माबामाषि शनपाट लागिये फेलेछेन (फसलेर वयसः १५-२० दिन)

- शनपाट लागानोर परे यदि खरार मतो परिस्थिति हय, तहले पाता शोषक पोकार आक्रमण हते पारे। तहि एकवार हालका सेच दिते हवे।
- सेच देवार पर, चाँछनि देओया निडानि वा अन्य निडानि दिये १५-२० दिन वयसे, शनपाटेर दुई सारिरे माबखानेर आगाछा नियन्त्रण करते हवे, अतिरिक्त चारा तुले पातला करे दिते हवे याते सठिक/ अनुकूल चारार संख्या जमिटे थाके (प्रति वर्ग मिटारे ५५-६० टि)।
- काष्ठे वेष्टनी वा रिंग करा पोकार (स्टेम गार्डलार) वा सुँयोपोकार आक्रमण विषये चाषिदेर सतर्क थाकते हवे। यदि एहि पोकार आक्रमण हय, तवे क्लोरपाइरिफस (२० एसि) २ मिलिलिटर प्रति लिटर जले मिशिये प्रयोग करते हवे।

३। से सब चाषिरा २० एप्रिलेर परे शनपाट लागियेछेन (फसलेर वयसः १०-१५ दिन)


- सेच नालि ओ निकाषि नाला वानाते हवे।
- लागानोर १५ दिन परे, चाँछनि (स्त्रोपार) देओया निडानि दिये आगाछा नियन्त्रण करते हवे, सप्पे माटिटे मालचेर काजओ हवे।
- काष्ठे वेष्टनी वा रिंग करा पोकार (स्टेम गार्डलार) आक्रमण विषये चाषिदेर सतर्क थाकते हवे। यदि एहि पोकार आक्रमण हय, तवे क्लोरपाइरिफस (२० एसि) २ मिलिलिटर प्रति लिटर जले मिशिये प्रयोग करते हवे।

क) ये चाषिदेर एखनो शनपाट लागानो हयनि




क

शनपाट बीज
(क) के-१२ हलुद
(ख) शैलेश (एस.एच ८)




ख




क

(क) कार्बेडाजिम वा कार्बेडाजिम १२ शतांश ओ म्यानकोजेव ७३ शतांश २ ग्राम /प्रति किलो बीजे
(ख) जमि प्रसुत्ति ओ लागानो




ख

ख) एप्रिल मासेर मावामावि लागानो शनपाट (फसलेर वयसः १५-२० दिन)




क

(क) आगाछा दमन ओ चारा पातला करा
(ख) क्लोरपाइरिफस (२० ईसि) २ मिलिलिटात/ प्रति लिटार जले मिशिये प्रयोग




ख



क

(क) अनेकदिन धरे चला खरा अबसुय, पाता शोषक पोका द्वारा आक्रान्त चारा।
(ख) पातार निचे थाका पूर्णवयस्क ओ अपूर्णदेह (निम्फ) कीट



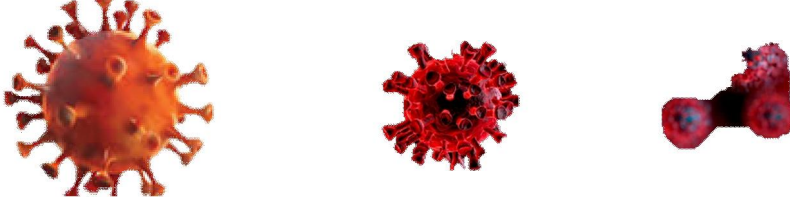
ख

ग) एप्रिले २० तारिखेर परे लागानो शनपाट (फसलेर वयसः १०-१५ दिन)



सेचेर जन्य ओ जल निकशिर् जन्य नाला वानानो।
लागानोर १५ दिन परे आगाछा दमन ओ माटिते मालछ देवार जन्य चाँहन निडानिर् प्रयोग।

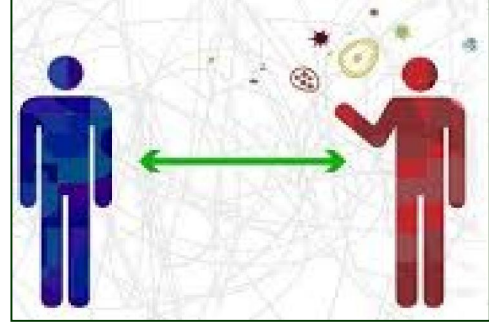
V. कोरोना (COVID-19) भाईरसैर संक्रुमण छुडुईये पडुा ठैकाते ये ये निरुपनुतुमूलक ओ प्रतुिरोक वुवसुतुा ग्रहन करुते हवे एवंग मेने चलते हवे



- कृषकदेर चाषवासैर काजेर समय निरुपनुतुा वुवसुतुा हिसावे एक जनैर थेके आरैक जनैर सामाजिक दूरतु वजाय राखते हवे। चाषिरा जमि चाष, वीज वपन, आगाछा नियनुण, जलसेच देओया इतुादि काजेर समय डान्कारि परामर्श मते मुखुस (मासु) परवेन, आर मावे मावे सावान-जल दिये हात ओवेन।
- येथाने संसुव, हात दिये वीज वोनार परिवर्ते, कुरिजाफ पाट वीज वपन यसुत्रैर वुवहार करुते हवे। एकतुाना अनेकतुा जमि ते एकदिने अनेक कृषि कर्मचारि दिये वीज ना लागुये, किछु दिन वा समयैर वुवान रेथे कम संथुक जनमजुर दिये वीज वपन करुते हवे।
- यखन एकइ कृषि यनुतुपाति येमन - लासुल, टुरासुत्र, पाओयार टिलार, वीज वपन यनुतु, निडुानि यनुतु, जलसेचेर पासुप अनेके मिले पर पर भागाभागि करे वुवहार करवेन, तखन थेयाल राखते हवे एइ यनुतुपातिगुलि येन सठिकभावे परिसुकार करा हय। कृषि यनुतुपातिर ये ये अंश वार वार हात दिये सुपर्श करुते हय, सेइ अंशतुा सावान जल दिये धुये निते हवे।
- चाषैर काजेर फुँके अवसरैर समय, खावार खाओयार समय, वीज शौनेर समय एवंग सार नामानु वा तौलार समय - परुयांगु सामाजिक दूरतु (कम पसुके ७-८ फुट) वजाय राखते हवे।
- यतुातुा संसुव, कृषि काजे परिचित लुकेदेरइ काजे लागान। भालुाभावे खुँज खवर नियेइ सेइ मजुर काजे लागुते हवे, याते कुननु कोरोना भाईरस वरुक कृषिकाजे आपनार अषुगले चले आसते ना पारे।
- वीज ओ सार परिचित दुुकान थेके किनवेन एवंग दुुकान थेके फिरे आसार परेइ सावान जल दिये भालुाभावे हात धुये नेवेन। वाजारै वीज, सार इतुादि किनते यावार समय अवसुथुइ मुखुस (मासु) परवेन।



VI. पाट कलेर (जूट मिल) कर्मचारिदर जन्य परामर्श



- पाट कल चालू राखार जन्य, पाट कलेर सीमानार मध्ये थाका कर्मचारिदर दिजे छोटो छोटो ब्याचे, वारे वारे शि करे काज चलाते हवे।
- पाट कलेर मध्ये आनेक जायगाय कलेर (जल) व्यवस्था करते हवे, याते कर्मचारिरा माबे माबे हात धुये निते पारैन। काज चलाकालीन अवस्थाय, कर्मचारिरा धूमपान करबेन ना।
- मिलेर शौचागार गुलि वार वार परिस्कार करते हवे, याते कर्मचारिरा रोगेर आक्रमेन ना पड़ैन।
- कर्मचारिदर, ग्लाभस, जूतो, मुख टाकार व्यवस्था एवं अन्यान्य सुरस्कार जन्य परामर्श दिते हवे।
- मिलेर मध्येई, काजेर यायगा वार वार बदल करा येते पारे, याते कर्मचारिदर मध्ये पारामर्श मतो सामाजिक दूरत वजाय थाके।
- ये सम कर्मचारिदर मेशिनेर अनेर स्थाने वार वार हात दिते हय, तादेर जन्य आलादा भावे हात धोयार वा स्यानिटाइज करार व्यवस्था राखते हवे। एछाडाओ मेशिनेर ओई जायगागुलो वार वार सावान जल दिजे परिस्कार करते हवे।
- वयस्क कर्मचारिदर अपेष्कारूत फाँका वा भिड़ कम जायगाय काज दिते हवे, याते तादेर भाईरासेर संक्रमण ना हय।
- मिलेर कर्मचारिरा टिफिनेर समय वा अवसरेर समय भिड़ करे एक जायगाय आसबेन ना एवं ७-८ फुट दूरत वजाय रेखेई हात धोबेन।
- यदि कोनो मिल कर्मचारिर एई धरनेर शारीरिक समस्या देखा यय, तबे तिनि अबिलम्बे मिलेर डाक्टर वा मिल मालिकेर सङ्गे योगायोग करबेन।

आपनारा सबाई सुस्थ्य ओ निरापद थाकुन, एई कामना करि

ड. गौराङ्ग कर

निर्देशक

आई.सि.ए.आर.-क्रिजाफ,

नीलगञ्ज, ब्यारकपुर,

कोलकाता-७००१२०, पश्चिमबङ्ग

द्वारा प्रकाशित

Acknowledgement: The Institute acknowledges the contribution of Chairman and Members of the Committee of Agro-advisory Services of ICAR-CRIJAF; Heads of Crop Production, Crop Improvement and Crop Protection division, In-charges of AINPNF and Extension section of ICAR-CRIJAF and other contributors of their division/section; In-charges of Regional Research Stations of ICAR-CRIJAF and their team; In-charge AKMU of ICAR-CRIJAF and his team for preparing this Agro-advisory (Issue No: 05/2020)